राजयोग से गृहस्थ | अनुभव | बना पवित्र आश्रम

ब्र.कु. पुष्पा,खुरहट,मऊ(उ.प्र.)

मैं 2014 में ज्ञान में आई। मैं बचपन से ही पूजा-पाठ, व्रत में विश्वास करती थी। मैं भक्ति बहुत करती थी। मुझे लगता था कि भगवान एक अटल सत्य है, फिर भी मुझे कभी शांति नहीं महसूस होती, हमेशा उदासी और चिड़चिड़ापन रहता। तब मेरी एक सहेली जो भोपाल की रहने वाली है मुझे एक दिन ब्रह्माकुमारी सेवाकेन्द्र ले गई। शाम का समय था, बहुत सारे भाई-बहन योग कर रहे थे। लेकिन मुझे कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था। देखते ही देखते मेरी नज़र ब्रह्मा बाबा की तस्वीर पर पड़ी, ऊपर में शिव बाबा। लिखा था, बच्चे, तुम चिंता मत करो मैं बैठा हूँ। ये देखकर मैं सोचने लगी कि बाबा, जब आप ही भगवान हो तो मैं इतनी दुःखी क्यों हूँ! और मेरी आँखों से आँसू बहने लगे। मेरे पास सब कुछ रहते हुए सुख और शांति क्यों नहीं! योग और मुरली क्लास के बाद निमित्त भाई जी ने कहा कि आप सात दिन का कोर्स कर लीजिए, सब समझ में आयेगा। इस तरह से मुझे ज्ञान समझ में आने लगा।

ईश्वर की तलाश और वरदान

ज्ञान को समझने के बाद मैंने लहसुन, प्याज खाना छोड़ दिया। घर वालों को यही कहा कि मैं कथा सुनने गई थी। वहाँ पर महाराज जी ने कहा कि तामसिक चीज़ें छोड़ो तो भगवान से मिलना आसान हो जायेगा। ईश्वर की चाहत में मैंने गृहस्थ जीवन को पवित्र गृहस्थ आश्रम बना लिया। मैंने सम्पूर्ण पवित्रता को अपनाया। परिवार में तरह-तरह की बातें आती हैं, बड़ा संयुक्त परिवार है। विघ्न तो आते हैं, लेकिन बाबा की याद में विघ्नों को पार करना आसान हो जाता है। जब ओखली में सर दिया तो मूसल से क्या डरना! मैं रोज़ अमृतवेला और नुमाशाम का योग करती हूँ। मेरा हर कार्य बाबा की याद से शुरु होता है। मेरे साथ मेरे घर की कई आत्माएं और सम्बंधियों का भी कल्याण हो रहा है। मेरा पूरा घर-परिवार बाबामय हो गया है।

बाबा की याद से हर मुश्किल हुई आसान

भगवान के सत्य स्वरूप की पहचान के बाद भी आत्मा की मन-बुद्धि की एक लक्ष्मण रेखा है। व्यर्थ, नकारात्मक संकल्प चलना अर्थात् लक्ष्मण रेखा पार करना। जब कोई विघ्न आता, मुझे बाबा का ज्ञान याद आ जाता। और फिर जब मैं बाबा मिलन के लिए आने वाली थी, उस समय कुछ लोगों ने बताया कि बाबा नहीं आते हैं। बाबा का आना बंद हो गया है, जाने से कोई फायदा नहीं है। रिज़र्वेशन हो चुका था। मैं और मेरी देवरानी दोनों ज्ञान में चलते हैं, तो दोनों को आना था। ऐसे में एक दिन अमृतवेले हम दोनों बहनें 3.30 बजे छत पर चले गये और बाबा से बातें करने लगे। हमने देखा कि बाबा की लाल किरणें हमारे पास आ गईं। हमने कहा कि बाबा ये कैसी लाइट है, ये हम क्या देख रहे हैं! बाबा ने बोला बच्ची, ऐसा मत सोचना कि मैं मधुबन में आता नहीं हूँ। मैं तुम्हारा बाप हूँ और मैं तुमसे मिलता रहूंगा। तो बाबा से बातें होती रहीं। और मेरा 2019 में मधुबन बाबा से मिलने जाना हुआ। मैंने ज्यों ही मधुबन भूमि पर पांव रखा, मेरी आँखों से प्रेम के आँसू बहने लगे। मन में यही आया कि यही वो भगवान है, यही वो जगह है जिसे मैं बचपन से खोजती रही और आज वो भगवान मिल गये। मुझे बाबा से सच्चे प्यार का अनुभव हुआ। मेरा संशय दूर हुआ। इससे पहले मैं बहुत तड़पती थी मधुबन आने के लिए। मैं सोचती थी कि मैं एक घर की बहू हूँ, मेरे लिए कम उम्र में मधुबन जाना असंभव है। लेकिन बाबा ने मुझे अपने पास बुलाकर मेरा जीवन खुशियों से भर दिया।

असाध्य रोग से मुक्ति

बात अगस्त 2021 की है। मेरे पेट में दर्द था। तब मैंने चेकअप करवाया तो डॉक्टर ने बताया कि मेरे बच्चेदानी में बहुत बड़ा ट्यूमर है और मेरी दोनों ओवरी भी खराब हैं। डॉक्टर ने इसे बहुत रिस्की बताया क्योंकि मेरे पहले से ही चार ऑपरेशन हो चुके थे। फिर भी डॉक्टर ने मेरी जान बचाने के लिए मेरे पाँचवे ऑपरेशन का रिस्क लिया। मैंने ऑपरेशन से पहले मुरली(परमात्म महावाक्य) पढ़ी और बाबा को दिल से याद किया। ऑपरेशन से पहले मेरा हीमोग्लोबिन 11.8 था लेकिन ऑपरेशन के दौरान ब्लीडिंग नहीं रुकने के कारण हीमोग्लोबिन 3.1 रह गया। मेरी हालत बहुत खराब हो गई थी, कोई दवा असर नहीं कर रही थी। डॉक्टर्स भी समझ नहीं पा रहे थे कि क्या करें! लेकिन मुझे मेरे शिव बाबा पर पूरा विश्वास था। मैंने बाबा से कहा कि बाबा, तुम तो हज़ार भुजाओं वाले हो, मदद करो। अचानक ही कोई जादू हुआ और सब नॉर्मल होने लगा। मुझे एक नई ज़िन्दगी मिली। डॉक्टर्स और नर्स सभी हैरान रह गये कि ये सब कैसे हुआ! लेकिन ये तो बाबा की कमाल थी, उस परम जादूगर की कमाल थी। ऐसे परम जादूगर, मेरे प्यारे परमपिता परमात्मा शिव बाबा को मेरा कोटि-कोटि धन्यवाद।

पटना-बिहार। भवन निर्माण राज्यमंत्री अशोक चौधरी को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् उपस्थित हैं बायें से ब्र.कु. ज्योत्सना बहन, ब्र.कु. स्नेहा बहन, डॉ. प्रमोद, मंत्री महोदय एवं उनकी बहन।

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी को कोरोना महामारी के दौरान मानवता के लिए लोक कल्याण में अपना अमूल्य योगदान देने के लिए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स,लंडन के राष्ट्रीय सचिव डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके द्वारा 'सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट' से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ओम शान्ति मीडिया के संपादक ब्र.कु. गंगाधर तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

कालपी-उ.प्र.। विधायक नरेन्द्र पाल सिंह और कोतवाल साहब को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ओम शान्ति मीडिया व ज्ञानामृत पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. ममता दीदी, ब्र.कु. ललिता बहन तथा ब्र.कु. अनुराग भाई।

पलवल-हरियाणा। डी.सी. श्री कृष्ण कुमार, एस.एच.ओ., एस.पी. तथा ए.डी.सी. को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. राज बहन, ब्र.कु. रानी दीदी, ब्र.कु. राजेन्द्र भाई तथा अन्य।

आगरा म्यूज़ियम-उ.प्र.। न्यू सुरक्षा विहार,आगरा में ब्रह्माकुमारीज़ के नये सेवाकेन्द्र के भूमि पूजन कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए पूर्व सांसद प्रभु दयाल कठेरिया। इस अवसर पर ब्र.कु. मधु बहन, ब्र.कु. संगीता बहन तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गाज़ियाबाद-उ.प्र.। नवरात्रि के अवसर पर एस.जी. ग्रैंड सोसायटी,राजनगर एक्सटेंशन में आयोजित कार्यक्रम में 'देवी दुर्गा के समान दुर्गुणों पर विजय कैसे प्राप्त करें' विषय पर सम्बोधित करते हुए ब्र.कु. जयंती बहन। साथ हैं ब्र.कु. लवली बहन, ब्र.कु. पूजा बहन तथा गणेश जोशी भाई।

आगरा-शास्त्रीपुरम(उ.प्र.)। आगरा-सिकंदरा क्षेत्र के एस.एच.ओ. कमलेश सिंह तथा एडिशनल एस.एच.ओ. विपिन गौतम को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. मधु बहन व ब्र.कु. शालू बहन।

कादमा-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ रामबास सेवाकेन्द्र में शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. वसुधा बहन, हरियाणा योग आयोग के रजिस्ट्रार डॉ. हरीश चंद्र, ग्रामीण विकास मंडल संस्थापक राजेन्द्र कुमार, प्राचार्य हरिकिशन राणा, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला अध्यक्ष संजय शास्त्री, डीएसएम स्कूल के निदेशक अरुण सांगवान तथा अन्य शिक्षकगण।

फर्रुखाबाद-बीबीगंज(उ.प्र.)। समर्थ सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका सफाई कर्मचारियों को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. मंजू बहन तथा ब्र.कु. गिरिजा बहन।

ब्यावरा-म.प्र.। सेवाकेन्द्र पर आयोजित चैतन्य देवी की झाँकी में गजेन्द्र सक्सेना,दैनिक भास्कर पेपर ब्यूरो चीफ, मुकेश सक्सेना,दैनिक अवंतिका इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, मुकेश सेन,पीपुल्स समाचार ब्यूरो चीफ, जुगल किशोर अग्रवाल,जिलाध्यक्ष,अग्रवाल समाज, निर्मल शिवाहरे,कॉन्ट्रैक्टर, डॉ. कु. शौली गर्ग आदि को ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित करने के पश्चात् उपस्थित हैं ब्र.कु. लक्ष्मी बहन।